

मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग पर गहन जागरूकता अभियान एवं रैली का आयोजन

मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक उपयोग पर गहन जागरूकता अभियान एवं रैली का आयोजन

ग्वालियर/नवप्रदेश। केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केंद्र ग्वालियर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के निर्देशानुसार हल्हड़-हल्हड़ फाउंडेशन, मुरार ग्वालियर के सहयोग से शनिवार को ग्राम-रामनगर, विकासखण्ड मुरार, जिला ग्वालियर में =मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रयोग के लाभ= विषय पर एक गहन जागरूकता अभियान एवं जागरूकता रैली का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को मृदा परीक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करना तथा उर्वरकों के संतुलित और वैज्ञानिक उपयोग को

बढ़ावा देना था, जिससे उत्पादन लागत में कमी लाकर किसानों की आय बढ़ाई जा सके। कार्यक्रम में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सुभाष कटारे ने मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के उपयोग के लाभ, हरी खाद, फसल चक्र तथा टिकाऊ खेती के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा परीक्षण से भूमि की उर्वरक क्षमता का सही आकलन होता है और उसी अनुसार उर्वरक डालने से फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता दोनों में वृद्धि होती है। मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. संजय कुमार शर्मा ने मिट्टी का नमूना लेने की सही



विधि के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। उन्होंने आलू, टमाटर, बैंगन जैसी सब्जी फसलों में उर्वरकों की संतुलित

मात्रा के प्रयोग तथा इससे लागत में कमी लाने के तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। डॉ. एस.के. गुप्ता ने मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं उर्वरक बचत के लिए ढेंचा/सनई जैसी हरी खाद फसलों को खेतों में लगाने पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम में आत्मा किसान कल्याण विभाग एवं NGO-Arise फाउंडेशन मुरार से श्री मनोज राठौर एवं श्री आकाश ने प्राकृतिक खेती के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, नीमास्त्र, बीजामृत, ब्रह्मास्त्र एवं दशपर्णीय अर्क जैसे जैविक आदानों को घर पर बनाने की सरल विधि समझाई। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे डीएपी को घर पर बनाने की सरल विधि

समझाई। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे डीएपी एवं यूरिया के अत्यधिक उपयोग से बचें तथा संतुलित उर्वरकों का ही प्रयोग करें। कार्यक्रम में आत्मा किसान कल्याण विभाग एवं NGO-Arise फाउंडेशन मुरार से श्री मनोज राठौर एवं श्री आकाश ने प्राकृतिक खेती के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को जीवामृत, घन जीवामृत, नीमास्त्र, बीजामृत, ब्रह्मास्त्र एवं दशपर्णीय अर्क जैसे जैविक आदानों को घर पर बनाने की सरल विधि समझाई। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे डीएपी एवं यूरिया के अत्यधिक उपयोग से बचें

न्यूज गैलरी

संपर्क अभियान 2026 के तहत जिलेभर में 25 शिविर आयोजित, 3086 आवेदनों का मौके पर हुआ निराकरण
104 उपभोक्ताओं को दिये गये 5 रुपए में नए घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन



नर्मदापुरम/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार एवं ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न तोमर के मार्गदर्शन में प्रदेशभर में विद्युत विभाग द्वारा ‘संपर्क अभियान 2026’ संचालित किया जा रहा है। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर अभियान का सफल शुभारंभ किया गया। अभियान के अंतर्गत जिले में विभिन्न ब्लॉकों में ग्राम पंचायत एवं तहसील स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें उपभोक्ताओं को विद्युत संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराया जा रहा है। जिलेभर में कुल 25 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। विद्युत विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविरों में कुल 3329 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3086 आवेदनों का तत्काल निराकरण कर दिया गया। अभियान के दौरान 104 उपभोक्ताओं को मात्र 5 रुपए शुल्क पर नए विद्युत कनेक्शन प्रदान किए गए। अभियान के तहत ग्रामीण घरेलू एवं कृषि पंप कनेक्शन मात्र 5 रुपए में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अलावा भार वृद्धि, नाम परिवर्तन, श्रेणी परिवर्तन, स्थायी एवं अस्थायी कनेक्शन, ई-केवाईसी, अनापत्ति प्रमाण पत्र, खराब अथवा बंद मीटर बदलना, स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायतों का निराकरण, सर्विस केबल सुधार, वोल्टेज समस्या एवं ट्रांसफार्मर संबंधी शिकायतों के समाधान जैसी सुविधाएं भी शिविरों में उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविरों में बिजली बिलों का आंशिक एवं पूर्ण भुगतान, अग्रिम भुगतान पर छूट, बकाया राशि भुगतान एवं समाधान योजना सहित विभिन्न जनहिप्पी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ भी उपभोक्ताओं को प्रदान किए जा रहे हैं। विद्युत विभाग ने आमजन से अपील की है कि वे संपर्क अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित शिविरों में पहुंचकर विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं एवं योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। अभियान संबंधी अधिक जानकारी के लिए उपभोक्ता अपने नजदीकी बिजली वितरण केंद्र/जोन अथवा टोल फ्री नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

धनोरा समूह नल-जल योजना के ट्रीटमेंट प्लांट का कलेक्टर डॉ सोनवणे ने किया निरीक्षण, पेयजल विस्तार योजना पर दिए निर्देश

बैतूल/नवप्रदेश। कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे ने शुक्रवार को आठनेर विकासखंड के भ्रमण के दौरान धनोरा समूह नल-जल योजना के जल शुद्धिकरण संयंत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था एवं भविष्य की विस्तार योजनाओं की विस्तृत जानकारी अधिकारियों से प्राप्त की। पीएचई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जल शुद्धिकरण प्लांट की क्षमता 3.76 एमएलडी है तथा वर्तमान में योजना के माध्यम से 22 ग्रामों को पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर डॉ सोनवणे ने ग्राम जावरा में पेयजल आपूर्ति की स्थिति के संबंध में जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि ग्राम की जनसंख्या के अनुसार 55 एलपीसीडी मानक के तहत प्रतिदिन पेयजल प्रदाय किया जा रहा है। योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2014-15 में किया गया था तथा वर्तमान में प्लांट पूर्ण क्षमता से संचालित हो रहा है। हालांकि, ग्रामों में जनसंख्या वृद्धि के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है। कलेक्टर डॉ. सोनवणे ने अधिकारियों से पूछा कि प्लांट की क्षमता बढ़ाने के लिए क्या कार्ययोजना बनाई गई है तथा क्या इसे निर्गुड जलाशय से जोड़ा जा सकता है। साथ ही उन्होंने आठनेर विकासखंड के शेष ग्रामों को समूह नल-जल योजना से जोड़ने की संभावनाओं पर भी चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने जल परीक्षण प्रयोगशाला का भी अवलोकन किया। उन्होंने पानी की गुणवत्ता जांच की प्रक्रिया को देखा तथा एक सैंपल की टेस्टिंग का निरीक्षण किया।

उप मुख्यमंत्री ने रीवा शहर के तीन एसटीपी का किया लोकार्पण जयंती कुंज एसटीपी का होगा जीर्णोद्धार

सुंदर, स्वच्छ व स्वस्थ रीवा बनाने के लिये सभी कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं – उप मुख्यमंत्री

रीवा/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि किसी भी शहर आदर्श शहर बनाने के लिये आवश्यक है कि हर घर में स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध हो तथा घर के कचरे व गंदे पानी का निष्पादन किया जाय। रीवा को सुंदर, स्वच्छ व स्वस्थ शहर बनाने के सभी कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। रीवा के हर घर में मीठा पानी पहुंचाना व घर से निकलने वाले गंदे पानी का निष्पादन करके रीवा आदर्श शहर के मानक को पूरा करेगा। उप मुख्यमंत्री ने रीवा शहर के विकास और स्वच्छता को नई दिशा देने के उद्देश्य से तीन एसटीपी का लोकार्पण किया तथा जयंती कुंज के एसटीपी के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में जब रीवा छोटा शहर था तब यहीं की आधी आबादी को खारा पानी मिलता था। रीवा शहर में भूमिगत नालियाँ नहीं थी। मगर प्रधानमंत्री जी के संकल्प व मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में रीवा में हर घर को मीठा पानी दिलाने के लिये 12 टर्कियाँ बन रही हैं। भूमिगत नालियाँ बनाई गई हैं तथा घरों से निकलने वाले गंदे पानी को सीवरेंज प्लांट तक ले जाकर साफ करने का कार्य करया जा रहा है। रीवा शहर के आगामी 35 वर्ष के विस्तार व आबादी के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर कार्य किये जा रहे हैं ताकि आने वाले वर्षों में किसी भी प्रकार की समस्या न आये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विकास व जनोन्मुखी कार्यों को पूरा



करना चुनौती है। इसे पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराया जायेगा और रीवा के नागरिकों को महानगर की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि बाबाघाट, विवेकानंद एवं बिड्डिया के एसटीपी के बन जाने से लगभग 25 हजार घरों का गंदा पानी साफ होगा। जयंती कुंज में पूर्व में निर्मित एसटीपी जो बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था उसे भी सुधारा जायेगा। शीघ्र ही एजी कालेज के समीप निर्माणधीन एसटीपी का भी लोकार्पण होगा और संपूर्ण रीवा शहर के घरों का गंदा पानी स्वच्छ होगा तथा रीवा गंदगी मुक्त साफ शहर होगा। साथ ही बीहर नदी भी

साफ व स्वच्छ होगी। इस अवसर पर सांसद श्री जनार्दन मिश्र ने कहा कि बीहर नदी में गिरने वाले नालों का पानी अब साफ होकर नदी में जायेगा जिससे नदी साफ होगी व घरों का गंदा पानी भी नहीं बहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के हर घर को शुद्ध पानी दिलाने व गंदे पानी को साफ करने के संकल्प को उप मुख्यमंत्री जी पूरा कर रहे हैं। उन्होंने शहरवासियों से अपेक्षा की कि रीवा को स्वच्छता में 7 स्टार दिलाने में सहयोग करें ताकि हमारा रीवा भी देश के साफ शहरों की सूची में और ऊपर आ जाय।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कृषि रथ का वर्चुवली शुभारंभ किया

इन्दौर/नवप्रदेश। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने इंदौर जिले के विकासखण्ड सांवैर में कृषि रथ का वर्चुवली शुभारंभ किया। इस कृषि रथ का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकी एवं वैज्ञानिक सलाह देना है। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कृषकों को वर्चुवली संबोधित करते हुए कहा कि किसानों के हित में यह बड़ा अभियान है, इससे किसानों को कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने में मदद मिलेगी। साथ ही उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार कृषि एवं रायर सरकार द्वारा किसानों के हित में लिये गये नियंत्रणों की जानकारी भी दी। कार्यक्रम की शुरुआत में किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री सी.एल. केवडा ने

बताया कि राज्य शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास के निर्देश पर आगामी 10 दिनों के लिये कृषि रथ जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित किया जायेगा। अभियान के तहत किसानों को खरीफ मौसम की क्षेत्रीय फसलों के लिये उन्नत कृषि तकनीक, उर्वरक वितरण की ई-विकास प्रणाली, जैविक प्रभावी श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, पारेली प्रबंधन, कृषि नवाचारों आदि की जानकारी कृषकों को दी जायेगी। साथ ही किसानों से फीडबैक लेकर अनुसंधान को और उपयोगी बनाने की दिशा में कार्य किया जायेगा।

प्राचीन बावड़ी का संरक्षण: जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बामौरा में श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान

जल गंगा संवर्धन अभियान

उज्जैन/नवप्रदेश। जन अभियान परिषद विकासखंड उज्जैन के सेक्टर चिंतामन जवासिया अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्पकटन समिति बामौरा द्वारा शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम बामौरा स्थित गणेश मंदिर के पास प्राचीन बावड़ी पर एक प्रभावी श्रमदान एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संधाग समन्वयक श्री शिवप्रसाद मालवीय विशेष रूप से उपस्थित रहे। अभियान के लिए समाज की सक्रिय, ग्रामीणों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सामूहिक श्रम साधना करते हुए बावड़ी की साफ-सफाई की तथा आसपास फैली गंदगी और अव्यवस्थित सामग्री को पूरी तरह हटा दिया। इस कार्य से जल स्रोत संरक्षण का मजबूत



संदेश पूरे गांव में पहुंचा। शिवप्रसाद मालवीय ने इस अवसर पर कहा प्राचीन बावड़ियों हमारी सांस्कृतिक धरोहर तथा जल संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए समाज की सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। जल गंगा संवर्धन अभियान केवल सफाई का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए जल बचाने का जन आंदोलन है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विकासखंड समन्वयक श्री अरुण

व्यास ने ग्रामीणों को जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रमदान के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। श्री गुरुकुल सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थान के डॉ. शीतल कुमार शर्मा ने भी अपने विचार रखते हुए कहा, जल स्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्पकटन समिति बामौरा के सदस्यों तथा ग्रामवासियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और श्रमदान कर जल संरक्षण का संकल्प लिया। जन अभियान परिषद का मानना है कि ऐसे सामुदायिक प्रयास न केवल जल संरक्षण में सहायक होंगे, बल्कि समाज में पर्यावरण जागरूकता और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति सम्मान को भावना को भी मजबूत

चंबल प्रोजेक्ट के कार्यों को बरसात से पहले पूर्ण करें : सांसद कुशवाह

चंबल प्रोजेक्ट एवं एलीवेटेड रोड निर्माण के कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

ग्वालियर/नवप्रदेश। ग्वालियरवासियों को चंबल नदी से पानी लाने के लिये संचालित चंबल प्रोजेक्ट का कार्य तीव्र गति से किया जाएँ। बरसात से पहले पाइपलाइन बिछाने के साथ-साथ अन्य कार्यों को भी तेजी के साथ किया जाए। क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने शनिवार को चंबल प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। नगर निगम के बाल भवन सभागार में चंबल प्रोजेक्ट की समीक्षा के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव सहित लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई, चंबल प्रोजेक्ट के अधिकारी एवं निगम के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि श्री धर्मेन्द्र सिंह तोमर, श्री राजू पलैया भी उपस्थित थे। सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह में प्रोजेक्ट की समीक्षा के

दौरान कहा है कि प्रोजेक्ट से जुड़े हुए सभी विभागों के अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों को भी स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रोजेक्ट का काम निर्धारित समय-सीमा में किया जाए, कंपनी को और समय नहीं दिया जायेगा। समीक्षा के दौरान एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जहां पर भी अतिक्रमण है उसको तत्काल हटाने की कार्यवाई सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही जो भी स्वीकृति अपेक्षित है उसे विभाग के माध्यम से तत्परता से उपलब्ध कराई जाए ताकि प्रोजेक्ट के काम में किसी प्रकार का विलंब न हो। साथ ही ऐसे विद्युत पोल जो कार्यों में बाधक हैं उनको भी तत्परता से शिफ्ट करने का कार्य किया जाए।



क्षेत्रीय सांसद श्री कुशवाह ने चंबल प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों को भी कहा है कि कार्यों को तीव्र गति के साथ बरसात से पूर्व किया जाए ताकि बरसात के दौरान कार्यों में दिक्रत न आए। सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने चंबल प्रोजेक्ट के साथ-साथ ग्वालियर में निर्माणधीन

एलीवेटेड रोड निर्माण की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बरसात से पूर्व नाले में जमा मिट्टी को हटाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाए। बरसात के दौरान आम जनों परेशानी न आए इसके लिये सीवर संधारण का कार्य नगर निगम एवं एलीवेटेड रोड निर्माण की एजेंसियां

समन्वय स्थापित कर कार्य करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कार्य को तीव्र गति के साथ करें ताकि बरसात के दौरान नागरिकों को किसी प्रकार की समस्या न आए। नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने चंबल प्रोजेक्ट के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाइप लाइन डालने का कार्य किया जा रहा है। एनएचएआई के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर कार्य को बरसात से पूर्व करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने शनिवार को सुबह हनुमान बांध पहुँचकर एलीवेटेड रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने बारिश के मौसम से पूर्व सीवर की सफाई करने एवं रातों से मिट्टी हटाने जैसे कार्यों के प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए ताकि आमजनो

को आवागमन में असुविधा न हो एवं निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता न करने और तय समय सीमा में काम पूरा करने की सख्त हिदायत दी। निरीक्षण के दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, पापेंद श्री भूपेंद्र सिंह कुशवाह, मंडल अध्यक्ष श्री विनय शर्मा, श्री सत्यपाल जादौन, महामंत्री श्री राजू पलैया, श्री धर्मेन्द्र (बिड्ड) तोमर, उपाध्यक्ष श्री विकास साहू, श्री देवेंद्र कौरव, श्री जीतू घुरैया, श्री वीरेंद्र खटीक, श्री भारत सिंह कुशवाह ने शनिवार को सुबह हनुमान बांध पहुँचकर एलीवेटेड रोड के निर्माण कार्य का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने बारिश के मौसम से पूर्व सीवर की सफाई करने एवं रातों से मिट्टी हटाने जैसे कार्यों के प्राथमिकता में रखने के निर्देश दिए ताकि आमजनो

न्यूज गैलरी

भोपाल के कोलार रोड पर एसयूवी में आग : अचानक धधक उठी कार

अफरा-तफरी मची; पास में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन था

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल के कोलार रोड पर शनिवार दोपहर एक एसयूवी कार में आग लग गई। कुछ ही देर में पूरी कार धुं-धुंकर जल उठी। आग की लपटें 10 फीट ऊपर तक उठ गईं। गनीमत रही कि कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया, वरना ब्लास्ट भी हो सकता था। कोलार रोड पर चूना भट्टरी रेस्ट हाउस के आगे गार्डन रेसीडेंस है। इसके गेट पास ही एक एसयूवी में दोपहर 3.30 बजे आग लगी। शुरुआत में धुआं निकला और फिर आग की लपटें ऊंची उठने लगी। कोलार फायर स्टेशन से दमकल मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार पूरी जल चुकी थी।



वर्कशॉप की लापरवाही की बात भी सामने आई

कार में आग लगने के पीछे वर्कशॉप की लापरवाही की बात भी सामने आई है। बताया जाता है कि ग्राहक नितिन रघुवंशी की कार पिछले 15 दिन से सुधार कार्य के लिए वर्कशॉप में खड़ी थी। शनिवार दोपहर शोरूम कर्मचारी कार को ट्रायल के लिए लेकर निकले थे, तभी लापरवाही के चलते चलती कार में आग लग गई। घटना का सबसे रोचक पहलू यह रहा कि उसी दौरान ग्राहक नितिन रघुवंशी वहां से गुजर रहे थे। उन्होंने सड़क पर अपनी ही कार को जलते देखा तो तुरंत शोरूम पर फोन लगाकर कार की जानकारी मांगी। आरोप है कि शोरूम कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि कार अभी वर्कशॉप में सुधार कार्य के लिए खड़ी है। इसके बाद ग्राहक ने मौके का वीडियो बनाया और सीधे शोरूम पहुंचकर जमकर हंगामा किया। घटना के बाद शोरूम प्रबंधन की कार्यप्रणाली और कर्मचारियों की लापरवाही पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पास में चार्जिंग स्टेशन

जिस जगह कार में आग लगी, उसके पास ही में इलेक्ट्रिक व्हीकल का चार्जिंग स्टेशन और रहवासी इलाका भी है। इस वजह से हड़कंप की स्थिति बनी रही। आशंका थी कि आग की वजह से कार में ब्लास्ट न हो जाए, वरना बड़ा हादसा हो सकता है। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

कार के पहिए जले, पास में ट्रांसफार्मर भी

प्रत्यक्षदर्शी मह्लु सिंगाड़िया ने बताया कि आग लगने से कार के टायर जल गए। वहीं, पास में ट्रांसफार्मर भी है। इसलिए मौके पर अफरा-तफरी मच गई। एक तरफ से रास्ता भी बंद हो गया। सड़क पर लोगों की भीड़ भी लग गई थी।

स्कूटी को धक्का लगाकर पेट्रोल पंप पहुंची महिला कांग्रेस

पेट्रोल-डीजल के बढ़ती कीमतों का विरोध जताया, प्रदर्शन खत्म होते ही कारों से रवाना हुईं

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में शनिवार को पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में महिला कांग्रेस ने अनोखा ‘धक्का मार्च’ निकाला। महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रीना बोरासी के नेतृत्व में कार्यकर्ता स्कूटी को धक्का देते हुए न्यू मार्केट स्थित नानक पेट्रोल पंप पहुंचीं।



यहां केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रतीकात्मक रूप से पेट्रोल भरवाया और ईंधन कीमतों ने राहत की मांग की। दिलचस्प बात यह रही कि प्रदर्शन खत्म होने के बाद कई कार्यकर्ता चार पहिया वाहनों में बैठकर वापस रवाना हुईं। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा की जब भी संकट आता है, सरकार जनता से सहयोग मांगती है, लेकिन महंगाई कम करने की ठोस रणनीति नजर नहीं आती। आज महिलाएं सड़क पर उतरकर अपनी आवाज उठा रही हैं।

चुनाव खत्म होते ही दाम बढ़ दिए

प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस की प्रदेश प्रवक्ता रोशनी यादव ने कहा कि पेट्रोल 100 रुपए के पार और डीजल की बढ़ती कीमतों ने मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है। उनका कहना था कि ईंधन महंगा होने से मालभाड़ा बढ़ रहा है, जिसका असर राशन, सब्जी और रोजमर्रा की जरूरतों पर पड़ रहा है। चुनाव खत्म होने ही सरकार ने पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ा दिए। सरकार सिर्फ चुनाव में ही जनता की हितैशी बनती है चुनाव खत्म होने के न सिलेंडर 400 रुपए हुआ न ही लाइली बहनों 3 हजार मिला।

सीएम आवास पर आज से मंत्रियों की वन-टू-वन बैठक

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में 17 और 18 मई को मंत्रियों के साथ वन-टू-वन बैठकें होंगी। बैठक में मंत्रियों के कामकाज, योजनाओं के क्रियान्वयन और संगठन से समन्वय को लेकर समीक्षा की जाएगी। मध्य प्रदेश में सरकार के ढई साल पूरे होने के बीच अब मंत्रियों की कार्यशैली और प्रदर्शन का आकलन शुरू होने जा रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में 17 और 18 मई को मंत्रियों के साथ अलग-अलग वन-टू-वन चर्चा होगी, जिसमें उनके विभागीय कामकाज, संगठन से समन्वय और योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा की जाएगी। जानकारी के अनुसार, इस समीक्षा प्रक्रिया में भाजपा के वरिष्ठ संगठन पदाधिकारी भी शामिल रहेंगे। बैठक में राष्ट्रीय सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश प्रभरी डॉ. महेंद्र सिंह और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खडेलवाल की मौजूदगी रहेगी। सभी नेता 16 मई को भोपाल पहुंचेंगे। बताया जा रहा है कि बैठक मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित होगी। जानकारी के मुताबिक मंत्रियों से करीब एक दर्जन बिंदुओं पर रिपोर्ट और फीडबैक लिया जाएगा। इसमें विभागीय योजनाओं की प्रगति, जमीनी स्तर पर उनकी निगरानी, संगठन के साथ तालमेल, गृह एवं प्रभार जिलों में कार्यकर्ताओं से समन्वय और चुनाव में कमजोर रही सीटों पर किए गए प्रयासों की समीक्षा शामिल है। पार्टी और सरकार की इस संयुक्त कवायद को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल से जोड़कर भी देखा जा रहा है। वर्तमान में कैबिनेट में चार पद रिक्त हैं और माना जा रहा है कि प्रदर्शन के आधार पर कुछ नए चेहरों को मौका मिल सकता है।



राजधानी

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही

विगत 05 दिनों में प्रदेशभर में लगभग 1 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जप्त

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी कार्यवाही के दौरान विभिन्न जिलों की पुलिस टीमों ने विगत 5 दिनों में 1 करोड़ 43 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ, तस्करी में प्रयुक्त वाहन, मोबाइल फोन एवं अन्य सामग्री जप्त करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहडोल

पुलिस द्वारा अवैध गांजा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए लगभग 04 क्विंटल अवैध गांजा, 03 चारपहिया वाहन एवं 07 मोबाइल फोन सहित 75 लाख रूपए की संपत्ति जप्त कर 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मंसौर

जिले में अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई करते हुए थाना सिनोद पुलिस ने एमडी ड्रग्स सहित एक आरोपी को



गिरफ्तार कर 5 लाख 50 हजार रूपए की संपत्ति जप्त की है। वहीं थाना बरखेड़ा पुलिस ने 735 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक आरोपी एवं एक विधि विरुद्ध बालक को पकड़ा। दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने लगभग 7 लाख 50 हजार रुपये की संपत्ति जप्त की है।

राजगढ़

जिले में ऑपरेशन शुद्धि के तहत कार्यवाही करते हुए थाना

छपीहेड़ा पुलिस ने स्मैक एवं एक्टिवा स्कूटी सहित 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर 1 लाख 20 हजार रूपए की संपत्ति जप्त की है। वहीं बोड़ा थाना पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 40.30 ग्राम अवैध स्मैक (5 लाख रूपए) जप्त किया।

गुना

जिले के मृगवास थाना पुलिस ने राजस्थान से स्मैक

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से चलाया गया 15 दिवसीय विशेष अभियान

भोपाल/नवप्रदेश। पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा के निर्देशन एवं पुलिस परिवहन विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधिकारियों एवं यातायात अमले द्वारा नागरिकों को हेलमेट पहनने की अनिवार्यता, सड़क सुरक्षा के महत्व तथा यातायात नियमों के पालन से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान विशेष रूप से युवाओं को यह संदेश दिया गया कि हेलमेट पहनना नियमों के पालन के प्रति नागरिकों को प्रेरित करना रहा। प्रदेश स्तर पर चलाए गए इस

व्यापक जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत सभी जिलों में विद्यालयों, महाविद्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विविध जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस अधिकारियों एवं यातायात अमले द्वारा नागरिकों को हेलमेट पहनने की अनिवार्यता, सड़क सुरक्षा के महत्व तथा यातायात नियमों के पालन से होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान विशेष रूप से युवाओं को यह संदेश दिया गया कि हेलमेट पहनना नियमों के पालन के प्रति नागरिकों को प्रेरित करना रहा।

देवास पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में एसडीएम, नायब तहसीलदार और एसडीओपी निलंबित

भोपाल/नवप्रदेश। देवास के टोंकसुर्द पटाखा फैक्ट्री विस्फोट मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसडीएम, नायब तहसीलदार और एसडीओपी को निलंबित कर दिया है। ढाढ़से में पांच लोगों की मौत के बाद लापरवाही को लेकर गांव और कार्रवाई लगातार जारी है। देवास जिले की टोंकसुर्द तहसील स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। लापरवाही और कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर अनियमितता पाए जाने पर एसडीएम संजीव सक्सेना, नायब तहसीलदार रवि शर्मा और एसडीओपी दीपा मांडवे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उज्जैन संगमग आयुक्त



कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, टप्पा घिड़ाव तहसील टोंकसुर्द में पदस्थ नायब तहसीलदार रवि शर्मा पर विस्फोटक सामग्री संबंधी प्रशासनिक निरीक्षण में गंभीर लापरवाही बताने के आरोप लगे हैं। आदेश में कहा गया है कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप निरीक्षण

सोनकच्छ एसडीओपी दीपा मांडवे को भी निलंबित किया गया है। शासन के अनुसार, फैक्ट्री संचालन के संबंध में समय-समय पर जारी निर्देशों के बावजूद निरीक्षण नहीं किया गया और वरिष्ठ कार्यालय को प्रतिवेदन भी प्रस्तुत नहीं किया गया। इसे कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही और उदासीनता माना गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय पुलिस मुख्यालय भोपाल निर्धारित किया गया है। बता दें 14 मई 2026 को देवास जिले के टोंकसुर्द क्षेत्र स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए थे।

रिटायर्ड जज की बहू का सुसाइड केस

सास को बेल मिलने से नाराज परिजनों ने चौथे दिन भी शव लेने से किया इनकार

भोपाल/नवप्रदेश। बहू के सुसाइड केस में रिटायर्ड जिला प्रधान न्यायाधीश एवं जिला उक्भोक्ता फोरम बैच-2 की अध्यक्ष गिरिबाला सिंह को कोर्ट से जमानत मिलने पर परिजनों ने नाराजगी जाहिर की है। विरोध के चलते चार दिन बाद भी वह शव लेने को तैयार नहीं हैं। अब उनकी मांग है कि मृतक का पीएम दिल्ली एम्स में होना चाहिए। केस की जांच मध्य प्रदेश के बाहर की पुलिस को सौंपी जानी चाहिए। वहीं पुलिस का कहना है कि आरोपी पति की तलाश की जा रही है। लगातार उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। जिसमें उसके घर और ऑफिस भी शामिल हैं। गिरिबाला सिंह की बहू और उनके बेटे समर्थ सिंह की पत्नी दिवशा ने मंगलवार रात बाग मुंगालिया एक्सपेंशन स्थित घर की छत पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। परिजन एकआईआर पर अड़े हुए हैं। उनका आरोप है कि पुलिस दबाव में दौषियों के खिलाफ एकआईआर दर्ज नहीं कर रही थे। गुरुवार रात पुलिस ने एसीपी के जांच प्रतिवेदन पर गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के

खिलाफ देहेज हत्या का केस दर्ज कर लिया था। इस मामले में गिरिबाला सिंह को भोपाल जिला अदालत से जमानत मिल गई है। अब उनके बेटे समर्थ की जमानत पर सोमवार को कोर्ट में सुनवाई होगी।

परिजनों को नोटिस जारी

करने की तैयारी में पुलिस

पुलिस अब मृतकों के परिजनों को नोटिस देने की तैयारी कर रही है। जिसमें उन्हें शव सुपुर्द करने की बात कही जाएगी। वहीं परिजनों का कहना है कि दिवशा ने सुसाइड नहीं किया, उसकी हत्या की गई। रिटायर्ड जज के प्रभाव से बेहद साधारण धाराओं में केस दर्ज किया जिससे आरोपियों को जमानत का लाभ मिल गया। आरोपी बेहद रसखदार हैं, उन्हें भोपाल एम्स की पीएम रिपोर्ट पर भी भरोसा नहीं है। लिहाजा वे चाहते हैं दिल्ली एम्स में बॉडी का पीएम करवाया जाए। गिरिबाला सिंह की ओर से कोर्ट में पेश बेल एप्लीकेशन में उन पर लगे तमाम आरोप निराधार बताए गए। इसमें स्पष्ट किया गया कि देहेज के लिए प्रताड़ित करने के आरोप अनर्गल हैं।

20 हजार से ज्यादा लार्वा, अब ड्रोन और एआई से मच्छरों पर नजर

मानसून से पहले डेंगू अलर्ट: 38 लाख घरों की जांच

भोपाल/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश में डेंगू नियंत्रण अभियान के तहत अब तक 38.70 लाख घरों का लार्वा सर्वे किया गया, जिसमें 20 हजार से ज्यादा घरों में मच्छरों का लार्वा मिला। प्रदेश में इस साल अब तक 303 डेंगू पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डेंगू नियंत्रण के लिए ड्रोन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों का इस्तेमाल शुरू किया है। मानसून से पहले मध्यप्रदेश में डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है। राष्ट्रीय

वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शनिवार को पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया गया। इस दौरान जागरूकता रैली, नारा लेखन, जनजागरूकता रथ, नुक़ड़ नाटक और अंतर्विभागीय बैठकों के जरिए लोगों को डेंगू से बचाव का संदेश दिया गया।

पिछले साल की तुलना में कम हुए केस

राज्य वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हिमांशु जायसवाल ने बताया कि वर्ष 2026 में अब तक प्रदेश में 18 हजार से ज्यादा डेंगू जांचें की



जा चुकी हैं, जिनमें 303 मरीज पॉजिटिव मिले हैं। पिछले साल इसी अवधि में 344 केस सामने आए थे। इस तरह इस बार करीब

12 प्रतिशत मामलों में कमी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाने का उद्देश्य मानसून से पहले लोगों को

जागरूक करना और डेंगू नियंत्रण गतिविधियों को तेज करना है।

चेक, क्लीन और कवर पर फोकस

एम्बेड परियोजना के डॉ.संतोष भागवत ने बताया कि इस साल राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम डेंगू नियंत्रण के लिए सामुदायिक भागीदारी- जांचें, साफ करें और ढक्के रखी गई है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, कुलर और पानी की टैंकियों की नियमित सफाई करें और खुले

बर्तनों को ढक्कर रखें। प्रदेश के जिला अस्पतालों और चिन्हित सिविल अस्पतालों सहित 64 सेंटिनल लैब में डेंगू जांच की सुविधा मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है। विभाग के अनुसार प्रदेशभर में 38.70 लाख से ज्यादा घरों में लार्वा सर्वे किया गया। इनमें 20,238 घरों में डेंगू मच्छर का लार्वा मिला, जिसे टीमों ने मौके पर ही नष्ट कर दिया। डेंगू नियंत्रण के लिए एंटी लार्वा केमिकल छिड़काव, पानी खाने वाली गम्बुसिया मछलियों का उपयोग और फॉगिंग अभियान भी



अखंड सौभाग्य प्रदान करने तथा आदर्ष नारीत्व की प्रेरणा व संदेश देता वट सावित्री व्रत



नारी का संकल्प, प्रकृति का सम्मान और संस्कृति की पहचान



मुकेश च़ाब्रि

वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाता है। इस वर्ष 16 मई सोमवार को मनाया जाएगा। यह व्रत सौभाग्य की कामना एवं संतान की प्राप्ति हेतु फलदायी माना जाता है। वट वृक्ष का पूजन और सावित्री-सत्यवान की स्मरण करने के विधान के कारण ही यह व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ। भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक माना गया है। स्कंद पुराण, भविष्योत्तर पुराण तथा निर्णयामृत आदि में इस व्रत के विषय में विस्तार पूर्वक बताया गया है। सौभाग्य की वृद्धि और पतिव्रत के संस्कारों को दर्शाता यह व्रत 'वट' और 'सावित्री' दोनों का विशिष्ट महत्व व्यक्त करता है। पीपल की भांति वट वृक्ष को भी हिंदू धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। धर्म ग्रंथों में वट वृक्ष के भीतर ब्रह्मा, विष्णु व महेश तीनों का वास माना गया है तथा इसके नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा आदि सुनने से समस्त इच्छाएं पूर्ण होती है। इस दिन सत्यवान सावित्री की यमराज सहित पूजा की जाती है। यह व्रत करने से स्त्री का सुहाग अचल रहता है। सावित्री ने इसी व्रत को कर अपने मृतक पति सत्यवान को धर्मराज से जीत लिया था। इस दिन उपवासक को सुवर्ण या मिट्टी से सावित्री-सत्यवान तथा भैंसे पर सवार यमराज कि प्रतिमा बनाकर धूप-चन्दन, फल, रोली, केसर से पूजन करना चाहिए। तथा सावित्री-सत्यवान की कथा सुननी चाहिए। सावित्री

भारतीय संस्कृति में महान ऐतिहासिक चरित्र हुई हैं। सावित्री का जन्म भी विशिष्ट परिस्थितियों में हुआ था। कहते हैं कि भद्र देश के राजा अश्वपति के कोई संतान न थी। उन्होंने संतान की प्राप्ति के लिए अनेक वर्षों तक तप किया। जिससे प्रसन्न हो देवी सावित्री ने प्रकट होकर उन्हें पुत्री का वरदान दिया। जिसके फलस्वरूप राजा को पुत्री प्राप्त हुई और उस कन्या का नाम सावित्री ही रखा गया। सावित्री सभी गुणों से संपन्न कन्या थी। जिसके लिए योग्य वर न मिलने के कारण सावित्री के पिता दुःखी रहने लगे। एक बार उन्होंने पुत्री को स्वयं वर तलाशने भेजा। इस खोज में सावित्री एक वन में जा पहुंची। जहां उसकी भेंट साल्व देश के राजा द्युमत्सेन से होती है। द्युमत्सेन उसी तपोवन में रहते थे, क्योंकि उनका राज्य किसी ने छीन लिया था। सावित्री ने उनके पुत्र सत्यवान को देखकर उन्हें पति के रूप में वरण किया। इधर यह बात जब ऋषिराज नारद को ज्ञात हुई तो वे अव्यपति से जाकर कहने लगे-आपकी कन्या ने वर खोजने में भारी भूल की है। सत्यवान गुणवान तथा धर्मात्मा है, परन्तु वह अल्पायु है और एक वर्ष के बाद ही उसकी मृत्यु हो जाएगी। नारद जी के वचन सुन राजा अश्वपति का चेहरा विवर्ण हो गया। "वृथा न होहिं देव ऋषि बानी" ऐसा विचार करके उन्होंने अपनी पुत्री को समझाया कि ऐसे अल्पायु व्यक्ति के साथ विवाह करना उचित नहीं है। इसलिये अन्य कोई वर चुन लो। इस पर सावित्री अपने पिता से कहती है कि पिताजी-आर्य कन्याएं अपने पति का एक बार ही वरण करती हैं। कन्यादान भी एक बार ही किया जाता है। अब चाहे जो हो, मैं सत्यवान को ही वर रूप में स्वीकार कर चुकी हूं। इस बात को सुनकर दोनों का पाणिग्रहण संस्कार किया गया और सावित्री अपने ससुराल पहुंचते ही सास-ससुर

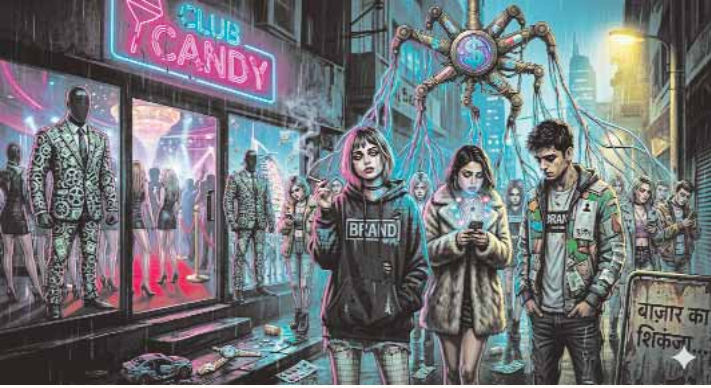
की सेवा में रत हो गईं। समय बदला। नारद का वचन सावित्री को दिन-प्रतिदिन अधीर करने लगा। उसने जाना कि पति की मृत्यु का दिन नजदीक आ गया है। तब तीन दिन पूर्व से ही उपवास उसने शुरू कर दी। नारद द्वारा कथित निश्चित तिथि पर पितरों का पूजन किया। नित्य की भांति उस दिन भी सत्यवान लकड़ी काटने गया। सावित्री भी सास-ससुर की आज्ञा लेकर अपने पति के साथ जंगल में चलने के लिए तैयार हो गईं। सत्यवान वन में पहुंचकर लकड़ी काटने के लिये वृक्ष पर चढ़ गया। वृक्ष पर चढ़ते ही सत्यवान के सिर में असहनीय पीड़ा होने लगी। वह व्याकुल हो गया और वृक्ष से नीचे उतर गया। सावित्री अपना भविष्य समझ गईं। अपनी गोद का सिरहना बनाकर अपने पति को लेटा लिया। उसी समय दक्षिण दिशा से अत्यंत प्रभावशाली महिशासुर यमराज को आते देखा। धर्मराज सत्यवान के जीवन का जब लेकर चल दिए तो सावित्री भी उनके पीछे-पीछे चल पड़ीं। पहले तो यमराज ने उसे देवी-विधान समझाया, परंतु उसकी निष्ठा और पतिपरायणता देख कर उसे वर मांगने के लिये कहा। सावित्री बोली-मेरे सास-ससुर वनवासी तथा अंधे हैं, उन्हें आप दिव्य ज्योति प्रदान करें। यमराज ने कहा ऐसा ही होगा। अब तुम लौट जाओ। यमराज की बात सुनकर उसने कहा-भगवान मुझे अपने पतिदेव के पीछे-पीछे चलने में कोई परेशानी नहीं है। पति के पीछे चलना मेरा कर्तव्य है। यह सुनकर उन्होंने फिर से उसे एक और वर मांगने के लिये कहा। सावित्री बोली-हमारे ससुर का राज्य छीन गया है, उसे वे पुनः प्राप्त कर सकें, साथ ही धर्मपरायण बने रहें। यमराज ने यह वर देकर कहा कि अब तुम लौट जाओ, पर वह न मानी। यमराज ने कहा कि पति के प्राणों के अलावा जो भी मांगना है मांग लो और लौट जाओ। इस बार

सावित्री ने अपने को सत्यवान के सौ पुत्रों की मां बनने का वरदान मांगा। यमराज ने तत्पश्चात् कहा और आगे चल दिया। सावित्री फिर भी उनके पीछे-पीछे चलती रही। उसके इस कृत्य से यमराज नाराज हो जाते हैं। यमराज को क्रोधित होते देख सावित्री उन्हें नमन करत हुए उन्हें कहती है कि आपने मुझे सौ पुत्रों की मां बनने का आशीर्वाद तो दे दिया, लेकिन बिना पति के मैं मां किस प्रकार से बन सकती हूं। इसलिये आप अपने तीसरे वरदान को पूरा करने के लिए कहा आप पूरा करें। सावित्री की पतिव्रत धर्म की बात जानकर यमराज ने सत्यवान के प्राण को अपने पाश से मुक्त कर दिया। सावित्री सत्यवान के प्राणों को लेकर वट वृक्ष के नीचे पहुंची और सत्यवान जीवित होकर बैठ गया। फिर दोनों हर्षित होकर अपनी राजधानी की ओर चल पड़े। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि उनके माता-पिता को दिव्य ज्योति प्राप्त हो गई है। इस प्रकार सावित्री सत्यवान चिरकाल तक राज्य सुख भोगते रहे। वट सावित्री व्रत करने और इस कथा को सुनने से उपवासक के वैवाहिक जीवन या जीवन साथी की आयु पर किसी प्रकार का कोई संकट आया भी हो तो वह निश्चित ही टल जाता है।

पति की रक्षा हेतु पत्नी द्वारा किया जाने वाला व्रत वट सावित्री

वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाता है। इस वर्ष में यह व्रत 16 मई शनिवार अमावस्या और ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा 29 जून सोमवार को मनाया जायेगा। यह व्रत सौभाग्य की कामना एवं संतान की प्राप्ति हेतु फलदायी माना जाता है। वट वृक्ष का पूजन और सावित्री सत्यवान का स्मरण करने से विधान के कारण ही व्रत वट सावित्री के नाम से प्रसिद्ध हुआ। प्रत्येक भारतीय नारी को सावित्री की तरह पतिव्रता होना नारी जाति के लिए गरिमा की बात है। नारी अगर धर्म परायण हो तो वह सावित्री की तरह अपने पति की सुरक्षा स्वयं करने में सक्षम हो सकती है और काल क्या महकाल से भी पति का प्राण सावित्री बनकर लौटाने में सफल हो सकती है। यह व्रत नारी के आदर्ष को विकसित करने के अति महात्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्ष नारीत्व का प्रतीक माना गया है। सौभाग्य की वृद्धि और पतिव्रत के संस्कारों को दर्शाता यह व्रत वट और सावित्री दोनों का विशिष्ट महत्व व्यक्त करता है। पीपल की भांति वट वृक्ष को भी हिन्दु धर्म में विशेष स्थान प्राप्त है। धर्म ग्रंथों में वट वृक्ष के भीतर ब्रह्म, विष्णु, शिव तीनों का वास माना गया है। इसके नीचे बैठकर पूजन, व्रत कथा आदि सुनने से समस्त इच्छाएं पूर्ण होती है। इस दिन सत्यवान सावित्री की यमराज सहित पूजा की जाती है। यह व्रत करने से स्त्री का सुहाग अचल रहता है। सावित्री ने इसी व्रत को करके अपने मृतक पति सत्यवान को धर्मराज से जीत लिया था। इस दिन उपवासक को सुवर्ण या मिट्टी से सावित्री सत्यवान तथा भैंसे पर सवार यमराज की प्रतिमा बनकर धूप, चंदन, फल, रोली, केसर से पूजन करना चाहिए तथा सावित्री सत्यवान की कथा सुननी चाहिए। सावित्री भारतीय संस्कृति में महान ऐतिहासिक चरित्र हुई है। भारतीय संस्कृति में व्रत और पर्व मात्र धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि वे जीवन-दर्शन, सामाजिक मर्यादाओं, प्रकृति-संरक्षण और आध्यात्मिक चेतना के सजीव संवाहक हैं। भारतीय परंपरा में निहित प्रत्येक व्रत मानव जीवन को नैतिकता, संयम, प्रेम और कर्तव्य बोध से जोड़ने का कार्य करता है। विशेष रूप से भारतीय नारी-जीवन में ऐसे अनेक व्रत विद्यमान हैं, जो परिवार, दंपत्य और समाज के मध्य भावनात्मक, सांस्कृतिक तथा आध्यात्मिक संबंधों को सुदृढ़ बनाते हैं। इन्हीं पावन परंपराओं में -वट सावित्री व्रत- का विशिष्ट और अत्यंत गौरवपूर्ण स्थान है। यह व्रत भारतीय नारी के अटूट संकल्प, अखंड प्रेम, तपस्या, धैर्य और त्याग का अनुपम प्रतीक माना जाता है।

त्यंग्य रचना : कैण्डी गर्ल्स



जेन-जी (Gen-Z) में बंटी पीढ़ियां मजे कर रही हैं। मां-बाप एक क्लब में पार्टी कर रहे हैं, तो बच्चे अपने क्लब में। न मां-बाप को बच्चों के खाने-पीने का पता, न मां-बाप से बच्चों की शेयरिंग। दोनों ने आंखें मूंद रखी हैं। दोनों ही कम्पर्ट ज़ोन में हैं। मोबाइल देखते दूध पिलाकर, मोमोज खिलाकर, डोमिनोज के पिज्जा-बर्गर खिलाकर व ऊल-जुलूल कपड़े पहनाकर बच्चों को खुशियां बांटने वाले मां-बाप नहीं जानते कि बच्चे 'टीनेज' होकर कैसे जी रहे हैं।उनके कौन दोस्त हैं? क्या खाते-पीते-पहनते-ओढ़ते हैं? उनमें कैसी सोच पनप रही है? नाइट आउट के लिये बच्चों को परमिट कर देना आधुनिकता की मांग है। बच्चों को पुश्तक कक्ष देना लगजरी लाइफ और 'कंफर्ट स्पेस' कहलाता है। जो परिवार यह नहीं कर पाते, वे पुत्र मिडिल क्लास, बेचारे गरीब, पिछड़े लोग हैं। अब



डॉ. किशोर अग्रवाल

सोसायटी में पुत्र बनकर कौन रहना चाहेगा जनाब? अतः सबकी एक से बढ़कर एक स्टोरी बन रही है। गरीबी बर्दाश्त नहीं और शौक नवाबों वाले! तो पूरा करने नवाबों के पास ही जाना पड़ता है। जहीन और महीन जेनरेशन के बच्चे तो तकनीकी और व्यवसायिक शिक्षा भी जाते हैं, पर बाकी? सरल रास्तों से धन कमाने की और निकलना मुनासिब समझते हैं या फिर जिंदगी भर क्लर्कों या मजदूरी कपड़े पहनाकर बच्चों को खुशियां बांटने वाले मां-बाप नहीं जानते कि बच्चे 'टीनेज' होकर कैसे जी रहे हैं।उनके कौन दोस्त हैं? क्या खाते-पीते-पहनते-ओढ़ते हैं? उनमें कैसी सोच पनप रही है? नाइट आउट के लिये बच्चों को परमिट कर देना आधुनिकता की मांग है। बच्चों को पुश्तक कक्ष देना लगजरी लाइफ और 'कंफर्ट स्पेस' कहलाता है। जो परिवार यह नहीं कर पाते, वे पुत्र मिडिल क्लास, बेचारे गरीब, पिछड़े लोग हैं। अब

पीछ नहीं छोड़ती। शील-संस्कारों वाले परिवारों में संतोष को परम गुण बताकर जीने की एक राह बताने की असफल कोशिश की गई थी, आज इसे पिछड़ी सोच कहा जाता है। आदर्शों को थोथा और संस्कारों को खोखला मानकर तथाकथित प्रगतिशील 'मौज-मजे' को ही अब सब कुछ माना जाता है, चाहे फिर जो हो। बाजार सारे सिद्धांतों और आदर्शों के ऊपर की चीज है। इसकी पकड़ ने आपकी कलाई थामी थी पर आज इसने पहुंचा पकड़

लिया है। इसकी पूरी गिरफ्त है। यह आदमी की सोच को पूरा पलटा देता है। फैशन की लपेट यूं ही पूरी नहीं होती, आधुनिकता को भी अपनी खुराक चाहिए। उसके जबड़ों में फंसे हैं सब। लड़के भी, लड़कियां भी। तथाकथित ब्रांडेड पहनना, घूमना, नशा फूंकना और स्टडिलिश रहन-सहन व खाना सबसे ऊपर की चीज हो गया है। जिसे यह सब नहीं आता वह गंवार है, बैकवर्ड है। जो ज्यादा ब्रांडेड चाहते हैं, उन्हें इसकी आदत डलनाता है बाजार का सिस्टम। मध्यमवर्गीय कस्बों में जिम, फैशन शो और ब्यूटी शो कराकर जगाई गई प्यास फिर यूं ही नहीं बुझती। थोड़े-थोड़े पैसे, नशा और वाइवाही में नये जेन-जी फंसाना बाजार जानता है, खूब जानता है। टोकने-रोकने वाले अभिभावक खुद अपनी मौज में गाफिल हैं। वे जेन-मिलेनियल जो चहते हैं, रेव पार्टी, हुक्का, नशा, उच्छ्रंखलता, म्यूजिक, यूथ पार्टी लुभावने लगते हैं, इनकी आदत डाली जाती है। थोड़ा-थोड़ा पैसा भी दिया जाता है। पर यह तो चारा है यह कांटे में लगाने का, बाजार इंतजार करता है कि मछली कब कांटा निगले। मछली फंस जाती है। बाजार में सबसे ज्यादा जरूरी हैं 'बुक्रीज' और सबसे ज्यादा पैसा भी वहीं बनाते हैं। वे शार्क हैं, अपने जबड़े में फंसे लड़के-लड़कियों को इनके सप्लायर्स को और कॉल सेंटरों तक ले जाते हैं जहाँ ये जीने खाने भर का धन कमा लेते हैं और अपने कस्बे में लौटने का मन खो देते हैं। वे लड़के-लड़कियों को चकाचौंध भरी झूठी जिंदगी की आदत डालते हैं। सस्ता नशा, सस्ता सुख प्यारा लगने लगता है। गांव-कस्बे के युवा इसे अवैवमेंट मानने लगते हैं। इस कलाई थामी थी पर आज इसने पहुंचा पकड़

राशि फल



पं. देवव्रत शर्मा

मेघ : आज का दिन आपके लिए खास उपलब्धियों का संकेत लेकर आया है। लंबे समय से अटका कोई जरूरी काम आखिरकार पूरा हो सकता है। वृषः आज का दिन सामान्य होते हुए भी कई नए अवसर लेकर आ सकता है। नई नौकरी का ऑफर आकर्षित करेगा, लेकिन फिहाल पुरानी जगह टिके रहना समझदारी होगी। मिथुनः आज लेन-देन के मामलों में सतर्कता बरतना बेहद जरूरी रहेगा। पुराने मित्र से गुलकाव बीती यादों को ताजा कर सकती है। जिनमेदाकियों से पीछे हटने के बजाय पूरे आत्मविश्वास से आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। कर्कः आज का दिन सकारात्मक बदलाव लेकर

आ सकता है। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता बनी रह सकती है, लेकिन धैर्य और समझदारी से स्थिति समल जाएगी। सिंहः आज भागदौड़ ज्यादा रहेगी, लेकिन समझदारी का फल भी मिलेगा। बिजनेस में नई पार्टनरशिप भविष्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। उधार लेने से बचें, वरना आगे परेशानी बढ़ सकती है। कन्याः आज जिनमेदाकियों को समय पर पूरा करना आपकी सफलता की कुंजी बनेगा। परिवार के बड़े बुजुर्गों की सहेत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। तुलाः आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी रहेगा। आय और खर्च के बीच तालमेल ही आपकी शांति बनाए रखेगा। परिवार की समस्याओं में बाहरी लोगों की सलाह लेने से बचें। वृश्चिकः आज का दिन सुधियों और नए बदलावों से भरा रह सकता है। दूर रहने वाले

किसी प्रियजन से गुलाकात मन को सुकून देगी। घर की सजावट या रिनोवेशन पर खर्च बढ़ सकता है। धनुः आज तटवर्ती के नए रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की योजना सफा हो सकती है। दोस्तों के साथ बितारा गया समय नवाव कम करेगा। मकरः आज उन्नति की रफ्तार तेज रहने वाली है। आपकी मेहनत और तेजी से किए गए काम कुछ लोगों को परेशान कर सकते हैं, जिससे नए विरोधी भी बन सकते हैं। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में समझदारी से कदम बढ़ाना जरूरी होगा। कुंभः आज का दिन बाकी दिनों से ज्यादा सुखलुभा और सुकून भरा रहेगा। घर-परिवार में खुशी और एकता का माहौल बना रहेगा। संतान की परीक्षा का परिणाम मन को राहत देगा। मीनः आज थोड़ी सावधानी और समझदारी की जरूरत रहेगी। छोटी लापरवाही बड़ी परेशानी खड़ी कर सकती है।

QUIZ TIME

1) भारत के सर्वोच्च न्यायालय

ने पहली बार किसे मंजूरी दी है?

2) स्वर्ण हॉलमार्किंग के छठे

चरण में कितने नए जिले

शामिल किए गए?

3) आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के

न्यायाधीश के रूप में किसने

कार्यभार संभाला है?

4) शोप ऑफमोमो फिल्म किस

राज्य से संबंधित है?

5) संगीत कलानिधि

पुरस्कार 2026 के लिए

हाल ही में किसे चुना गया

है?



1) भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार किसे मंजूरी दी है? 2) स्वर्ण हॉलमार्किंग के छठे चरण में कितने नए जिले शामिल किए गए? 3) आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में किसने कार्यभार संभाला है? 4) शोप ऑफमोमो फिल्म किस राज्य से संबंधित है? 5) संगीत कलानिधि पुरस्कार 2026 के लिए हाल ही में किसे चुना गया है?

पहेली

शब्द सामर्थ्य - 040

आपको ये शब्दों 1. जल छिड़कना, राजा के विशिष्ट, चर्म 2. दुष्ट, श्रेष्ठ कायावली, काकाजी, प्रसन्नता, विराट, राजा के अनुगत 3. एक प्रसिद्ध नक्षत्र, पक्ष, कर्म 13, दासी, नौकराने, बंदी, गंगा से और और 4. जल 7. 26. राज्य का नियंत्रण प्रतीक। गुलाम की 14. प्रसन्न करने वाला, शक्ति करने वाला, अतिथि 1. विचार, चतुरता 2. और ही 16. बीजक के बड़े धनु, शल्य (च.) 11. निराश 12. और इति शब्द 13. बचपन, 17. भाग्य (च.) 21. बंधन, उचित, लड़कन 13. दुष्टता, कानी 4. गुलाम, जो सत्ते से दुष्ट 22. भाग्य, चलेगी की रचना 15. विचार, कलात्मक, 17. राज्य 16. 5. सुखमय मित्र जिन का एक पक्ष और चाल 23. लकार 16. वधु, वध, समुद्र को 'पक्ष' का विशेष नाम 8. पराधीन, राजा।



वट सावित्री व्रत पर महिलाओं ने रखा उपवास, सुनी सावित्री-सत्यवान कथा



***मुंगेली में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया वट सावित्री पर्व**

***महिलाओं ने बरगद वृक्ष की पूजा कर मांगा अखंड सौभाग्य** मुंगेली/नवप्रदेश। जिले सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में आज वट सावित्री का पावन पर्व पारंपरिक श्रद्धा, उल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, उत्तम स्वास्थ्य

और अखंड सौभाग्य की कामना को लेकर दिनभर का उपवास रखा और पूरे विधि-विधान से वट (बरगद) वृक्ष की पूजा-अर्चना की।

शनिवार सुबह से ही नगर के विभिन्न वाडों और चौक-चौराहों पर स्थित बरगद पेड़ों के नीचे पूजा के लिए महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई। नए वस्त्रों और सोलह शृंगार में सजी महिलाओं ने वट वृक्ष को जल, मौली (कच्चा सूत), फल, फूल, रोली और पकवान अर्पित किए। इसके बाद

महिलाओं ने वृक्ष के चारों ओर 7, 11, 21 या 108 बार परिक्रमा करते हुए सूत का धागा लपेटा और अपने सुहाग की रक्षा के लिए प्रार्थना की। पूजा के दौरान महिलाओं ने सामूहिक रूप से बैठकर वट सावित्री, माता सावित्री और सत्यवान की पौराणिक कथा सुनी। कथा में बताया गया कि किस तरह सती सावित्री ने अपने दृढ़ संकल्प और पातिव्रत धर्म के बल पर यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस ले लिए थे। मान्यता है कि बरगद के पेड़ में

ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों देवों का वास होता है, इसलिए इस दिन इसकी पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय बनता है। पूजा संपन्न होने के बाद महिलाओं ने भोगे हुए चने और फल का बयाना (बायना) अपनी सास और घर की बुजुर्ग महिलाओं को देकर उनका आशीर्वाद लिया। इस व्रत में बांस के बने पारंपरिक पंखे (बिजना) से वट वृक्ष और पति को हवा झलने की भी परंपरा निभाई गई। पूजा के बाद महिलाओं ने अपना उपवास खोला।पर्व

को लेकर पिछले दो दिनों से जिले के बाजारों में भी खासी रौनक देखने को मिल रही थी। पूजा सामग्री, बांस के पंखे, मौसमी फल जैसे आम, लीची, खरबूजा और शृंगार के सामानों की दुकानों पर महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी। आज सुबह भी मुख्य बाजार और चौक-चौराहों पर पल्ट और पूत विक्रेताओं के पास काफी चहल-पहल रही। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस पावन व्रत को करने से परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

न्यूज गैलरी

कलेक्टर ने पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक लेकर ईंधन व्यवस्था की समीक्षा

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में जिले के पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक लेकर पेट्रोल, डीजल की उपलब्धता और वर्तमान स्थिति के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की पर्याप्त उपलब्धता है तथा किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने आमजनों से किसी भी अपभ्राह या भ्रामक सूचना पर ध्यान न देने की अपील की। कलेक्टर ने कहा कि किसान भाई अपनी आवश्यकता के अनुसार प्रतिदिन ईंधन लें और अनावश्यक भंडारण से बचें। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों को निर्दिष्टित किया कि आम उपभोक्ताओं को सुगमता से ईंधन उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। प्रशासन द्वारा जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और स्थिति की सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रशासन पूरी तरह सतर्क, आमजन को परेशान होने की आवश्यकता नहीं- कलेक्टर ने कहा कि एम्बुलेंस, स्वास्थ्य सेवाओं एवं अन्य आपातकालीन वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर ईंधन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी एवं अपभ्राह फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय है तथा आमजनों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। बैठक में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में लगातार पुलिस पेट्रोलिंग किए जाने की जानकारी दी गई। आवश्यकता अनुसार कार्यपालिक दण्डाधिकारी, फूड इंस्पेक्टर एवं पुलिस बल की ड्यूटी भी लगाई गई है। साथ ही सभी पेट्रोल पंपों में आपातकालीन स्थिति से निपटने हेतु संबंधित एसडीएम, तहसीलदार, थाना प्रभारी एवं फूड इंस्पेक्टर के संपर्क नंबर चप्सा किया गया है, ताकि किसी भी समस्या की स्थिति में नागरिक तत्काल अधिकारियों से संपर्क कर सकें। बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर जी.एल. यादव सहित संबंधित अधिकारी और जिले के पेट्रोल पंप संचालक मौजूद रहे।

ग्रीष्मकालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर का 15वां दिन संपन्न



मुंगेली/नवप्रदेश। जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन शतरंज प्रशिक्षण शिविर 2026 का आज 15वां दिन सप्तातापूर्वक संपन्न हुआ। यह शिविर स्थानीय आगर हाईस्कूल दाऊरामा में आयोजित किया जा रहा है। शिविर के 15वें दिन कुल 16 बच्चों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान खिलाड़ियों को चेस क्लॉक के नियम से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण शिविर का समय प्रतिदिन सुबह 7.30 से 9.30 बजे तक निर्धारित है।

गैस एजेंसी के पास महिला से 2.1 किलो गांजा जब्

जांजगीर/नवप्रदेश। चांपा पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला को 2.1 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक निवेदिता पाल के निर्देशन और थाना प्रभारी अशोक वैष्णव के नेतृत्व में की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भोजपुर इंडेन गैस एजेंसी के पास एक महिला गांजा बेच रही है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर महिला को पकड़ लिया। पृच्छाछ में उसने अपना नाम मोंगरा बाई (34) निवासी ग्राम पिसोद, थाना जांजगीर बताया। तलाशी के दौरान उसके बैग से 2.1 किलो गांजा और 450 रुपए नकद बरामद किए गए। जब्त गांजा की कीमत करीब एक लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

घर में घुसकर महिला की हत्या, आरोपी को उम्रकैद

जांजगीर/नवप्रदेश। जिला न्यायालय ने घर में घुसकर महिला की हत्या करने के मामले में आरोपी रामू केंवट को आजीवन सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। सेशन जज जयदीप गर्ग की अदालत ने फैसला सुनाते हुए आरोपी पर अर्थदंड भी लगाया। लोक अभियोजक संदीप सिंह बनाफर ने बताया कि घटना 5 अक्टूबर 2016 की है। प्रार्थी राधेश्याम केंवट निवासी ग्राम मधुधा, हाल मुकाम पोड़ीदल्हा ने थाना अकलतरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार राधेश्याम घर लौटा तो देखा कि रामू केंवट, श्याम सुंदर केंवट, देवसिंह और अन्य साथी उसकी पत्नी मिलीतैन बाई तथा बेटों के साथ मारपीट कर रहे थे। आरोपियों ने लाठी, लोहे की रॉड और डंडों से हमला किया। बीच-बचाव करने पहुंचे राधेश्याम को भी आरोपियों ने दौड़ाया। घायल महिला को पहले स्थानीय अस्पताल और बाद में सिम्स बिलासपुर रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम में शरीर पर 11 गंभीर चोटें मिलीं। सुनवाई में 12 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए धारा 302/34 में आजीवन कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा धारा 307/34 और 450/34 के तहत भी अलग-अलग सजा सुनाई है।

शनि मंदिर में 21वां स्थापना दिवस और शनि जयंती धूमधाम से मनाई

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला मुख्यालय स्थित शनि मंदिर परिसर में आज शनिवार को भक्ति और श्रद्धा का अनुत्त संगम देखने को मिल रहा है, मंदिर का 21वां स्थापना दिवस और शनि जयंती का पावन पर्व आज पूरे विधि-विधान और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है, इस दोहरे संयोग को लेकर नगर सहित आस-पास के ग्रामीण अंचलों के भक्तों में भारी उत्साह है। सुबह से ही मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई हैं।



समृद्धि और खुशहाली के लिए विशेष प्रार्थना की गई। दोपहर में महाप्रसाद, शाम को सुरमई भक्ति मंदिर प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, अग्रजनों के बाद दोपहर में एक 'विशाल भंडारा प्रसाद' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई है। वहीं, उत्सव का मुख्य आकर्षण आज शाम को होने



वाली 'भव्य भजन संध्या' होगी। शाम ठीक 7:30 बजे से शुरू होने वाले इस सांस्कृतिक व भक्तिमय कार्यक्रम में आमंत्रित भजन गायकों द्वारा बाबा की महिमा का गुणगान किया जाएगा। हारमोनियम, प्रशासन ने सुरक्षा, सुचारु दर्शन और भीड़ नियंत्रण के भी पुख्ता इंतजाम किए हैं ताकि भीषण गर्मी के इस मौसम में श्रद्धालुओं को दर्शन में कोई असुविधा न हो।

अपर कलेक्टर पर जमीन घोटाले का आरोप, टीम करेगी जांच

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सूरजपुर जिले में पदस्थ अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा पर पद का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपए की जमीन के अवैध सौदे, बेनामी संपत्ति और स्टॉप शुल्क की चोरी करने का आरोप लगा है। आरटीआई कार्यकर्ता डीके सोनी की शिकायत पर जिला प्रशासन ने पांच सदस्यीय संयुक्त जांच समिति गठित कर मामले की जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर स्थित ग्राम मदनपुर की पुनर्वास भूमि को प्रभाव का इस्तेमाल कर निजी व्यक्तियों के नाम दर्ज

कराया गया। बाद में इस जमीन का बेनामी तरीके से हस्तांतरण किया गया। आरोप है कि जिस जमीन की वास्तविक बाजार दर करीब 2 करोड़ थी, उसे दस्तावेजों में काफी कम दर्शाया गया ताकि स्टॉप शुल्क की चोरी की जा सके। इसके अलावा शिकायत में अधिकारी द्वारा अन्य राज्यों में पेट्रोल पंप और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में निवेश किए जाने का भी दावा किया गया है। जिला पंचायत सीईओ बिजेंद्र सिंह पाटले की अध्यक्षता में एक संयुक्त जांच समिति बनाई गई है। समिति में शिवानी

जायसवाल (एसडीएम), सुनील अग्रवाल (शिकायत शाखा प्रभारी), भूपेंद्र कुमार बंजारे (भू-अभिलेख अधीक्षक), सूर्यकांत (तहसीलदार) शामिल हैं। जांच टीम को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। शिकायतकर्ता डीके सोनी का कहना है कि वे पिछले चार वर्षों से मुख्यमंत्री से लेकर कमिश्नर तक गृहार लगा रहे थे, लेकिन मामला दबाया जाता रहा। पूर्व कलेक्टर एस. जयवर्धने ने 28 अप्रैल को इस गांव का आदेश जारी किया था, जिसका पत्र अब जाकर प्राप्त हुआ है।

दोस्ती की फिर बाइक लेकर भागा चोर गिरफ्तार, केस दर्ज

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सिरमिना गांव में शादी समारोह में पहुंचे बदमाश ने नाम बदलकर यहां रहने वाले पुनर्वार सिंह अगरिया से दोस्ती की। फिर जरूरी काम बताकर उसकी बाइक-सीजी 12 बीजे 4857 लेकर भाग गया। कई घंटे बीतने के बाद भी वह नहीं लौटा, तो पीड़ित बुधवार सिंह ने कोरबी चौकी पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई। चौकी प्रभारी सुरेश कुमार जोगी के नेतृत्व में पुलिस

टीम मामले की जांच में जुटी। मुखबिर के जरिए प्रधान आरक्षक सुधांशु शर्मा व आरक्षक संजय साहू ने सूचना जुटाई। इसके बाद पुलिस टीम शिवरीनारायण पहुंची। यहां रहने वाले आरोपी शरद्वज उर्फ मनोज पटेल को गिरफ्तार कर चोरी की गई बाइक बरामद कर ली गई। गुरुवार को उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी।

पेज 1 का शेष...

मोदी बोले- ये दुनिया...

स्टार्टअप इकोसिस्टम... देश में 2 लाख से ज्यादा स्टार्टअप हैं।

डिजिटल पेमेंट में भारत आगे: भारत में एक साल में 20 बिलियन से ज्यादा यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए। दुनिया के आधे डिजिटल ट्रांजेक्शन भारत में हो रहे हैं।

चिप भी मेड इन इंडिया होगी:

भारत एआई और सेमीकंडक्टर सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश में 12 सेमीकंडक्टर प्लांट्स पर काम चल रहा है, जिनमें से 2 में प्रोडक्शन शुरू हो चुका है।

16 मई को खास दिन बताया:

16 मई खास दिन है क्योंकि इसी दिन 12 साल पहले यानी साल 2014 में भारत में 30 साल बाद पूर्ण बहुमत की सरकार बनी थी।

प्रवासी भारतीयों की तरीफ: नीदरलैंड में भारतीयों का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि डच नेतृत्व हमेशा भारतीय समुदाय की प्रशंसा करता है।

आईपीएस अरुणदेव गौतम...

हमला (2009): इस हमले में 29 पुलिसकर्मियों और एसपी के शहीद होने के बाद अरुणदेव गौतम को वहां का एसपी बनाकर भेजा गया, जहां उन्होंने नक्सलियों का डटकर मुकाबला किया। बस्तर आईजी (झीरम हमला): झीरम नक्सली हमले के बाद उन्हें बस्तर का आईजी नियुक्त किया गया, जहां उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया।

अन्य पद: डीआईजी और आईजी के तौर पर वे पुलिस मुख्यालय, सीआईडी, वित्त और योजना, प्रशासन, मुख्यमंत्री सुरक्षा और छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल जैसे महत्वपूर्ण विभागों में रहे।

प्रदेश में निरंतर सशक्त हो

शिशु गहन चिकित्सा इकाइयों के प्रदर्शन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 24-25 में जहाँ 1 लाख 29 हजार 212 नवजात शिशुओं को उपचार प्रदान किया गया था, वहीं वर्ष 25-26 में यह संख्या बढ़कर 1 लाख 34 हजार 410 तक पहुँच गई है। साथ ही नवजात

शिशुओं की सफलतापूर्वक डिस्चार्ज दर भी अब तक के सर्वोत्तम स्तर 82.3 प्रतिशत पर पहुँच गई है। राज्य में संचालित 62 एसएनसीयू में इस वर्ष 1 अप्रैल से 15 मई 2026 तक कुल 15 हजार 54 नवजात शिशुओं को उपचारित किया गया, जिनमें से 12 हजार 818 नवजात शिशुओं को सफलतापूर्वक डिस्चार्ज किया गया। एसएनसीयू में 85.2 प्रतिशत डिस्चार्ज दर राष्ट्रीय औसत से अधिक दर्ज की गई है। इसके साथ ही लामा दर मात्र 2.12 प्रतिशत, रेफरल दर 4.2 प्रतिशत एवं मृत्यु दर 8.29 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत से कम है। यह उपलब्धि प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण नवजात चिकित्सा सेवाओं एवं प्रभावी उपचार प्रबंधन को दर्शाती है।

डिजिटल परिवर्तन और पेपरलेस न्याय

के कारण मामलों में देरी होती है। न्यायालय ऐतिहासिक फैसले देकर लोकतंत्र को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि इतिहास के कठिन दौरों में भी हमारे

जिला अस्पताल मुंगेली के उपचार से मानसिक रोगी युवक को मिली नई जिंदगी

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला

चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आमजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। इसी कड़ी में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत एक युवक को नया जीवन मिला। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहू ने बताया कि रायपुर जिले के धरसीवा क्षेत्र का 26 वर्षीय युवक कभी एक कुशल कार मैकेनिक था। मेहनती और सामान्य जीवन जीने वाला यह युवक अचानक मानसिक समस्याओं से जूझने



लगा। उसका व्यवहार असामान्य हो गया। महीनों तक न नहाने और कपड़े नहीं बदलने के कारण उसकी हालत बेहद खराब हो गई। अलग-अलग स्थानों पर झड़-पूँक और पारंपरिक उपचार से भी कोई लाभ नहीं हुआ। इसी बीच किसी परिचित की सलाह पर परिवार

युवक को जिला अस्पताल मुंगेली के मनोरोग विभाग लेकर पहुंचा। जांच में युवक के मानसिक रोग से पीड़ित होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद उसका नियमित उपचार और काउंसिलिंग प्रारंभ की गई। कुछ ही महीनों में दवाओं और नियमित परामर्श का सकारात्मक असर

दिखाई देने लगा। जो युवक पहले किसी से बात नहीं करता था, वह अब सामान्य रूप से बातचीत करने लगा है। अब वह स्वयं अपनी दिनचर्या संभालता है और सबसे बड़ी बात यह कि वह अपने पिता को बाइक पर बैठकर खुद इलाज कराने अस्पताल लेकर आता है। युवक के पिता ने भावुक होकर कहा कि उन्होंने लगभग उम्मीद छोड़ दी थी, लेकिन जिला अस्पताल मुंगेली में मिले निःशुल्क उपचार, विशेषज्ञ परामर्श और संवेदनशील व्यवहार ने उनके बेटे को नई जिंदगी दी है।

2025 का विमोचन किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस के सहयोग से वॉर्ड स्तर पर स्थापित संकेत समाधान मध्यस्थता केंद्रों का शुभारंभ किया गया। सीजेआई ने वाक एवं श्रवण बाधित नागरिकों की सहायता के लिए मोबाइल एप्लीकेशन संकेत वाणी भी लॉन्च किया। मध्यप्रदेश ज्यूडीशियल एकेडमी द्वारा निर्मित ज्योतिर् जर्नल 2.0 सॉफ्टवेयर की लॉन्चिंग भी की गई। न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा न्याय प्रक्रिया में एआई के सुशुपयोग पर गठित कमेटी ने अद्भुत कार्य किया है। जल्द ही कमेटी के सुझावों को देश में लागू किया जाएगा। भारत आदिकाल से नवीन तकनीक को अपनाने में अग्रणी रहा है। कोविड महामारी के दौर में भारतीय न्याय व्यवस्था ने नई तकनीक को अंगीकार किया और उस कठिन दौर में न्यायपालिका ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। कोविड के दौर में भी अदालतों में कामकाज बंद नहीं हुआ। इसके लिए दुनियाभर की न्यायपालिकाओं ने भारतीय व्यवस्था की सराहना की थी।

उपेक्षित नौकरशाही का गिरोह सक्रिय

पूर्ववर्ती सरकार की उपेक्षित नौकरशाही का एक गिरोह मौजूदा सरकार की नौकरशाही के खिलाफ अचानक सक्रिय हो गया है। ये वही गिरोह है जिसने बम्पर जनादेश वाली भूपेश बघेल की सरकार को मात्र पांच साल में चलता कर दिया। ये वही गिरोह है जो मीडिया के कुछ लोगों को इस शर्त पर इन्टरवैटन करता था कि डॉ. रमन सिंह के खिलाफ लिख, छाप या सोशल मीडिया पर टोल करके दिखाओं तब सीएम से बात करता हूं। ऐसा नहीं कि उस गिरोह के लोग इस सरकार में मेन स्ट्रीम में नहीं है, है लेकिन गिरोह का तर्क जबरदस्त है कि हमाम में सब नंगे है। जमीन, जायदाद, शराब, सट्टा, रेत, राखड़, कोल, करपान के घपलों, घोटालों में आकंट डुबा यह गिरोह जेल, थाना, पुलिस, हिरासत, हथकड़ी में कोर्ट, कचहरी, की दहलीजों पर चहलकदमी करता हुआ आदिवासी मुख्यमंत्री की सदाशयता का मजाक उड़ा रहा है और उम्मीद कर रहा है कि आंका रहम करें। हाल ही के फेरबदल में आउट आफ ट्रेक हुए कुछ लोगों को यह गिरोह सहानुभूति का पाठ भी पढ़ा रहा है। यही वजह है कि ढाई साल बाद भी अन्दरखाने साय सरकार के खिलाफ निगेटिव नरंटेव बिल्डिंग की बुनियाद रखी जा रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि मौजूदा सरकार की नौकरशाही किसी के इशारे पर किसी के लिए सुपारी नहीं दे रही है।

रील, रोल और रीयल का तमाशा



प्रधानमंत्री के मितव्ययिता प्रदेश को कुछ रीलबाजों ने तमाशा बना दिया है। कोई सायकिल से दप्तर जा रहा है, कोई ईवी रिक्शा में पार्टी की बैठके अटेन कर रहा है और कोई बयानों की रील बनाकर रोलबाजी कर रहा है। बस इन रील या रोलबाजों को पेट्रोलपम्पों और गैस एजेंसियों में लगने वाली वाहनों या लोगों की लम्बी लाईनें भर नहीं दिख रही हैं। इवेंट और हेडलाईन मैनेजमेन्ट के ये ठेकेदार रील और रीयल के अन्तर को पाट तो सकते नही इसलिए तमाशा खड़ा करते रहते है। इन सबको मालूम था कि तीन रूपए लीटर पेट्रोल की कीमते बढ़ानी है इसलिए आयल कंपनियो ने पम्पों पर सप्लाइ चोक कर दी थी जिसके चलते कई पम्प बंद हो गए थे। रेट बढ़ने के बाद वही पम्प फिर से शुरू हो गए जिनके यहा नो स्टॉक का बोर्ड लगा था। और दो दिन तक मीडिया की हेडलाईन से पैनिक क्रिएट हुआ सो अलग।

न्यूज गैलरी

उत्सव प्रतिकल्पा आज : तीन नृत्य शैलियों में 200 कलाकार देंगे प्रस्तुति, नृत्य गुरुओं का होगा सम्मान

कालिदास अकादमी में शाम 7 बजे से आयोजन, 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का होगा समापन

उज्जैन/नवप्रदेश। प्रतिकल्पा सांस्कृतिक संस्था द्वारा संस्कृति संचालनलय भोपाल, रेडियो दस्तक और डी पी के ज्वेलर्स के सहयोग से 17 मई को उत्सव प्रतिकल्पा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कालिदास अकादमी स्थित पंडित सूर्यनारायण व्यास संकुल में शाम 7 बजे से आयोजित इस समारोह में 200 नवोदित कलाकार तीन विभिन्न नृत्य शैलियों में अपनी प्रतिभा का मंचन करेंगे। इस अवसर पर प्रशिक्षण देने वाले नृत्य गुरुओं का विशेष रूप से सम्मान भी किया जाएगा। संस्था के सचिव कुमार किशन ने बताया कि संस्था द्वारा विगत 20 वर्षों से निरंतर नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस वर्ष 3 से 17 मई तक आयोजित इस कार्यशाला में प्रतिभागियों को दक्षिण भारत की परंपरिक शैली भरनाट्यम, राजस्थानी व मालवी लोकनृत्य और बॉलीवुड व वेस्टर्न डांस का बारीकी से प्रशिक्षण दिया गया। नवोदित कलाकारों को अपनी कला प्रदर्शित करने के लिए एक समक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से ही इस उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यशाला में भरतनाट्यम का विशेष प्रशिक्षण देने के लिए बांग्लादेश से ऑर्केनी भात को आमंत्रित किया गया था। वहीं, लोकनृत्य की बारीकियां वरिष्ठ नृत्य गुरु डॉ. पद्मवी किशन और लोकेश सिंह तोमर ने सिखाई। वेस्टर्न और बॉलीवुड डांस का प्रशिक्षण सोनू जोसेफ द्वारा दिया गया। संस्था के पदाधिकारी डॉ. शिव चौरसिया, डॉ. अनिता चौधरी, कुमार किशन, सुश्री शीला व्यास, श्रीमती पुष्पा चौरसिया, प्रवीण चतुर्वेदी, विजय भागवतानी और स्वर्णिम केलकर ने शहर के कला प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करने का आग्रह किया है।

उज्जैन में ‘सिंधी सीखो’ पाठशाला का शुभारंभ, 100 बच्चों ने लिया भाग

उज्ैन / न व प देश । एनसीपीएसएल राष्ट्रीय भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा संचालित सिंधी भाषा शिक्षण कक्षाओं का शुभारंभ 15 मई को उज्जैन स्थित ओम अनीका सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था के सिंधी वलास केंद्र पर किया गया। कार्यक्रम में लगभग 80 से 100 बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संस्था की अध्यक्ष कशिश सीतलानी ने जानकारी देते हुए बताया कि सिंधी भाषा और संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से यह कक्षाएं 31 जुलाई तक संचालित की जाएंगी। कक्षाएं प्रतिदिन शाम 4 से 5 बजे एवं 5 से 6 बजे तक आयोजित होंगी। इस दौरान तीन शिक्षिकाएं बच्चों को सिंधी भाषा का प्रशिक्षण देंगी। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को पुस्तकों का वितरण किया गया तथा सभी प्रतिभागियों का परिचय कराया गया। साथ ही उपस्थित बच्चों एवं अभिभावकों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई।



विपक्ष में कौन कितना अच्छा?



दरअसल विपक्ष की भूमिका को लेकर देशव्यापी बहस छिड़ी है कि विपक्ष की असल अग्निपरीक्षा कब होती है? जैसे 2013 के पहले वाले विपक्ष पर मौजूदा विपक्ष प्रपोगंडा पोलिटिक्स का आरोप लगाता रहा है। इसे हम छत्तीसगढ़ के सन्दर्भ में यदि देखे पूर्ववर्ती सरकार में पीएससी के कथित घोटाले को लेकर सड़क पर उतरे तत्कालीन विपक्ष ने सड़क पर इतना तांडव मचाया कि बम्पर जनादेश की सरकार किसी न्यायालयीन आदेश से नहीं बल्कि जनादेश से सत्ता से बाहर हो गई। लेकिन हाईकोर्ट ने उन सभी को नियुक्ति देने का आदेश दे दिया जिनकी नियुक्ति को लेकर विपक्ष ने तांडव मचाया था। यानि प्रपोगंडा पोलिटिक्स के आरोपी विपक्ष ने तत्कालीन सरकार के वो सारे अच्छे काम भी धूल धूसरित कर दिए थे जो मौजूदा सरकार भी कर रही है, जैसे धान के किसानों को मिलने वाली प्रोत्साहन राशि। दरअसल विपक्षी भूमिका को लेकर यह बहस तब शुरू हुई जब नीट की परीक्षा रद्द हुई और अब महंगाई से जनता परेशान है। 2013 के पहले का विपक्ष महंगाई के मुद्दे को लेकर सिलेंडर के साथ सड़क पर आ जा रहा था लेकिन इस बार का बयानवीर विपक्ष सोशल मीडिया के स्क्रीन से बाहर ही नहीं आ पा रहा है। कमोबेश यही हाल नीट के मसले को लेकर है विपक्षी तेवर को लेकर लोग निराश है ।

तो क्या सायकल अब स्टेटस सिंबल बनेगी

पेट्रोल डीजल की खपत कम करने के लिए किए जा इकोसलों की हौसला अफजाई करने के लिए कुछ ए.बी.सी.डी ग्रेड के सभी विधाओं के सेलिब्रेटी सायकिल की सवारी कर दप्तर, दुकान और शहरों में तफरीह करने का वीडियो डाल रहे हैं। इसमें वे सब शामिल है जिनके काफिले में महंगी दो चार,पांच गाडियां, दो चार हथियारधारी गणमेन, बाउसर जिनका स्टेटस सिंबल है। ऐसे में ये लोग सायकल से कितने दिन चलेगें और कहा कहा चलेंगे। जनता की हर तकलीफ को तमाशा और आपदा को अवसर बनाने और बनाने वाले ये स्टेटस सिंबलधारी लोग जनता के तकलीफों पर जले पर नमक छिड़कने जैसा काम कर रहे है। हमने पिछले सप्ताह ही लिख दिया था कि हे सोशलमीडिया के शूवीरों, हे आभासी दुनिया के एलियनों, वाट्सप यूनिवर्सिटी के रण बाकुरों जनता को अपने हाल पर छोड़ दो को खुद जी लेगी। आर्टिफिशियल इन्टेलीजेसी की अकल लगाकर गुमराह करने से अच्छा है कि जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया जाय ।

नौकरशाही की सुस्त चाल ऐसी कि कछुआ भी शरमा जाए

प्रदेश में नौकरशाही की सुस्त चाल से सरकार के कामकाज पर लगातार उंगलियां उठ रही है। पीएचई अफसरों के निक्मेपेन को जानने-समझने के बाद अब वन विभाग के कामकाज को भी समझना जरूरी है। वर्तमान में तैतूपता तोड़ाई का काम चल रहा है। सरकार ने 13 लाख संग्राहकों को चरणपादुका देने का ऐलान किया था, लेकिन तोड़ाई शुरू होने से पहले पादुका का वितरण नहीं किया जा सका। वजह ये है कि खरीदी की प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। जंगलों में पादुका के बिना साप-पिच्छू के खतरे और पत्थर, कंकड़, कांटे से होने वाली चोट से जुझते हुए तोड़ाई का काम किया जा रहा है। विभागीय अफसरों का कहना है कि खरीदी की प्रक्रिया तीन महीने पहले शुरू की गई। इस प्रक्रिया में कम से कम एक माह का समय और लगेगा। यानी 10 जून तक तोड़ाई का काम पूरा हो जाएगा। यह काम पूरा होने के कई हफ्ते बाद ही संग्राहकों को चरणपादुका मिल पाएगी। अब नौकरशाही की ऐसी सुस्त चाल देखकर कछुआ शर्म से पानी-पानी तो होगा ही।

माधव सेवा न्यास ने शुरू की शीतल पेय सेवा, पुलिसकर्मियों और श्रमिकों को मिलेगी राहत

उज्जैन/नवप्रदेश। गौक्ष ऋतु में सेवा दे रहे पुलिसकर्मियों एवं श्रमिकों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से माधव सेवा न्यास द्वारा शीतल पेय सेवा का शुभारंभ किया गया। भारत माता मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भगवा पताका फहराकर शीतल पेय वाहन को रवाना किया गया। न्यास के कोषाध्यक्ष राजेश पाटीदार ने जानकारी देते हुए बताया कि माधव सेवा न्यास प्रतिवर्ष गर्मी के मौसम में नगर के प्रमुख चौराहों पर इस्ट्री कर रहे पुलिसकर्मियों को शीतल पेय उपलब्ध कराता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी एक माह तक इस सेवा संचालित की जाएगी। उन्होंने कस कि न्यास वर्षभर विभिन्न सेवा गतिविधियों के माध्यम से समाजहित में कार्य करता है। इस वर्ष सिंहस्थ की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए नगर में चल रहे बड़े निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों को भी इस सेवा से जोड़ा गया है। न्यास द्वारा शासकीय निर्माण कार्यों में कार्यरत श्रमिकों को भी शीतल पेय उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि मौषण गर्मी में उन्हें राहत मिल सके।

महिदपुर बालिका छात्रावास का एडीपीसी ने किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

उज्जैन/नवप्रदेश। राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान अंतर्गत संचालित शासकीय कस्टूरबा गांधी बालिका छात्रावास, दहदह मैदान महिदपुर में नाए शैक्षणिक सत्र की तैयारियों को लेकर एडीपीसी निरीय तिवारी ने शनिवार को औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्रावास परिसर, छात्राओं के कक्ष, भोजनालय, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने छात्राओं के सुरक्षित एवं सुविधाजनक आवास हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। तिवारी ने कस कि नए शिक्षा सत्र के प्रारंभ से पहले छात्रावास में सभी सुविधाएं व्यवस्थित और सुचारु रूप से उपलब्ध होना आवश्यक है, ताकि छात्राओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान छात्रावास अधीक्षिका, सहायक कर्मचारी एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा भारती बालिका छात्रावास में स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 100 किशोरियों का हुआ रक्त परीक्षण

उज्जैन/नवप्रदेश। सेवा भारती उज्जैन एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी शाखा उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में सेवा भारती बालिका छात्रावास में किशोरियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 100 बालिकाओं के हैमोग्लोबिन स्तर एवं रक्त समूह की जांच की गई। रेडक्रॉस सोसायटी उज्जैन शाखा के सचिव अनुराग जैन ने बताया कि संस्था द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य जागरूकता एवं जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी क्रम में सेवा भारती बालिका छात्रावास में आयोजित दो दिवसीय किशोरी विकास वर्ग में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के दौरान

जिन बालिकाओं का हैमोग्लोबिन स्तर कम पाया गया, उन्हें माधव सेवा न्यास द्वारा नि-शुल्क चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। शिविर का उद्देश्य किशोरियों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना तथा एनीमिया जैसी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उपचार सुनिश्चित करना रहा। इस

अवसर पर सेवा भारती के अध्यक्ष सुनील खत्री, सीमा वशिष्ठ, रितेश सोनी, प्रीति गोपाल, आशा श्रीवास्तव, राजेश मिशरेर सहित रेडक्रॉस सोसायटी उज्जैन शाखा के चेयरमैन राजेंद्र झालानी, कोषाध्यक्ष विजेन्द्र वर्मा, अनेशीलाल शर्मा एवं चिकित्सकों की टीम विशेष रूप से उपस्थित रही।

लक्ष्मी नगर तथा महिदपुर स्थित शिपा वलीनिक को नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर सील करने की कार्यवाई की गई। निरीक्षण में कई संस्थान बिना वैध पंजीयन, आवश्यक अनुमति एवं निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित होते पाए गए, जो मध्यप्रदेश उपचर्या गृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम 1973 के प्रावधानों का उल्लंघन कर रहे थे। डॉ. पटेल ने बताया कि परिहित अवैध वलीनिक एवं अस्पताल संचालकों को नोटिस जारी कर नियमानुसार कार्यवाई प्रारंभ कर दी गई है। आवश्यकता अनुसार दस्तावेजों की जांच, पंजीयन सत्यापन

एवं संस्थानों को बंद कराने जैसी वैधानिक कार्यवाई भी की जा रही है। उन्होंने आमजन से अपील की कि उपचार के लिए केवल पंजीकृत एवं अधिकृत अस्पतालों तथा वलीनिकों का ही चयन करें। साथ ही किसी भी अवैध स्वास्थ्य संस्था की जानकारी मिलने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध स्वास्थ्य संस्थानों के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाई की जाएगी, ताकि मरीजों के स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

आ जा मेरी सायकल में बैठ जा...



सायकल शान की सवारी बन गई है और मीडिया की सुर्खियां बंटोर रही है। नेता और अफसर सायकल से अपने दप्तर जा रहे हैं और जनता को जागरूक करने के लिए राह चलते लोगों को भी अपनी सायकल पर बैठने के लिए बुला रहे हैं। वे सायकल चलाते हुए पा रहे हैं -आ जा मेरी सायकल में बैठ जा... आ जा मेरी सायकल में बैठ जा.. फुल स्पीड जाएंगे, कहीं रुकेंगे न हम, खाना पीना सायकल में ही होगा सनम...। दरअसल पीएम मोदी ने पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने की देशवासियों से अपील की है और उस अपील को नेताओं और नौकरशाहों ने पूरी गंभीरता से लिया है। अब इससे आम जनता कितनी प्रेरित होती है यह तो आने वाला वक्त ही बेहतर बताएगा। फिल्हाल तो लोग इस चिन्ता में दुबले हो रहे हैं कि नौकरशाहों के सायकल प्रेम के चलते कहीं ऐसा न हो कि अपराधी किसी वारदात को अंजाम देकर मोटर साइकल या कार पर सवार होकर फ्फार हो जाएं और थानेदार व कसान साहब अपनी सायकल से उनका पीछा करें?

कब सुधरेंगे पीएचई के अफसर...परफार्मेंस सिर्फ 19 परसेंट !!!

भौषण गर्मी के मौसम में पूरे प्रदेश से जलसंकट की शिकायतें सामने आ रही हैं। केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन और नगरीय निकायों के लिये अमृत मिशन जैसी योजनाओं पर अरबों रुपए का प्रावधान होने के बाद भी लोग प्यासे हैं। पीएचई विभाग के अफसरों का निकम्मापन इसकी बड़ी वजह है। पिछले साल के बजट में पीएचई विभाग को 6300 करोड़ रुपए दिये गए थे। अफसरों ने सिर्फ 1011 करोड़ रुपए खर्च किये, यानी पीएचई को मिले बजट का सिर्फ 19 फीसदी हिस्सा ही खर्च हो पाया। आंकड़े से साफ जाहिर है कि सरकार चाहे डबल इंजन की हो या ट्रपल इंजन की, जब तक अफसर नहीं सुधरेंगे, तब तक किसी का कल्याण नहीं होने वाला। गजब ये है कि साल भर में 19 फीसदी की परफार्मेंस के बावजूद विभाग में कोई हलचल नहीं हो रही है। कार्यप्रणाली में सुधार के लिये कोई एक्सरसाइज नहीं हो रही। विभाग ने पूंअर परफार्मेंस को शायद नियति मान लिया है। अब चाहे पब्लिक पानी संकट से जुझती है तो जुझती रहे। मंत्री, विधायक को आम जनता के कोप का शिकार होना पड़ता तो होते रहे। अफसरों के एमपी में भी कमोबेश यही हाल है। वहां तो पूरा का पूरा विभाग ही खतम कर दिया गया है। पीएचई जैसे महत्वपूर्ण विभाग का खात्मा करने हुए दूसरे विभाग में मर्ज कर दिया गया है।



ऐसे में कैसे होगा संगठन का सृजन?

जिला स्तर पर कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के बाद करीब 6 महीने बाद अब नवनिर्वाचित जिला व ब्लॉक अध्यक्षों को प्रशिक्षण देने की तैयारी शुरू से गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई अन्य कांग्रेस नेता प्रशिक्षण शिविर में शामिल होंगे। दरअसल, सृजन के बाद से गुरुआती हलचल और सक्रियता बढ़ने के कुछ महीने बाद कांग्रेसियों की सक्रियता का फुगू फुस सेने लगा है। जमीनी स्तर पर कांग्रेस में ‘सृजन’ के बावजूद आपसी जुठमपैठार और सिट फुटीव्वल खल्ला नहीं हुई है। राहुल, खरगे को संगठन के जमीनी खोखलेपन का पता ही नहीं है। लिहाजा, वे भी भाषण देकर बिना किसी ठोस नतीजे के लौट जाएंगे। अब सवाल ये है कि कांग्रेसियों को गुटीय लड़ाई और आपसी खींचतान को खत्म करने का प्रशिक्षण कौन देगा? इससे भी बड़ा ...लाख टंके का सवाल ये है कि अगर नसीहत देगा भी तो इसका असर कितना होगा? जब गुटबाजी और वर्चस्व की लड़ाई खुले तौर पर हो रही हो, तब संगठन का सृजन कैसे होगा ?

भोजशाला मामले में हाईकोर्ट के फैसले पर

उज्जैन में जश्न, आतिशबाजी कर बांटी मिठाई

उज्जैन/नवप्रदेश। धार स्थित भोजशाला को लेकर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के बाद उज्जैन में हिंदू संगठनों और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए आतिशबाजी कर मिठाई वितरित की। मोहन नगर अंबे माता मंदिर चौराहे पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए और बेल-नगाड़ों की थाप पर खुशी मनाई। इस अवसर पर भारत तिब्बत समन्वय संघ मालवा प्रांत अध्यक्ष एवं संस्कृति रक्षक मंच के अध्यक्ष तथा एमआईसी सदस्य शिवेन्द्र तिवारी ने कस कि भोजशाला भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा का गौरवशाली केंद्र रही है। उन्होंने बताया कि राजा भोज द्वारा 11वीं शताब्दी में भोजशाला का निर्माण कराया गया था तथा मां वाग्देवी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। बाद में मुस्लिम आक्रांताओं द्वारा इस धरोहर को नुकसान पहुंचाया गया, जिसके बाद वर्षों तक इसके संरक्षण और मुक्ति के लिए आंदोलन चलते रहे। उन्होंने कस कि लंबे संघर्ष, जनआंदोलनों और एएसआई सर्वे में सामने आए तथ्यों के आधार पर उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्णय ऐतिहासिक है। इस फैसले से सनातन समाज में खुशी की लहर है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से मांग की कि लंदन के संग्रहालय में रखी मां वाग्देवी की प्रतिमा को भारत वापस लाकर धार में पुनः स्थापित किया जाए तथा भोजशाला का पुनर्निर्माण कर उसे संस्कृत और संस्कृति के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और फैसले का स्वागत किया। इस अवसर पर मयूर अम्बवाल, मुकुंद धाकड़, नीलेश खोसले, महेश साहू, चिन्मय साहू, नरेश रायोर, आशीष प्रजापति, प्रवीण जोशी, सीटी राजा, दिनेश कुमभकार, चंचना जैन, बलराम रावल, मोहन चौहान, दीपक सैनी, गोपाल परमार, अनिल पांचाल, ऋषि प्रजापति, संजय जादौन, दिलीप डोंडिया, सभी सूर्या, हेमांत विश्वकर्मा, रवि साखलाना, लखन बड़ोदिया, गुलाब सूर्यवंशी, निखिल खोसरे और राजेश रावल सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



उज्जैन में डिजिटल जनगणना अभियान तेज, वरिष्ठ अधिकारियों ने घर-घर पहुंचकर किया निरीक्षण

उज्जैन/नवप्रदेश। देश की पहली डिजिटल जनगणना के तहत शहर में मकान सूचीकरण का कार्य तेज गति से जारी है। 1 मई से प्रारंभ हुए इस अभियान के अंतर्गत प्रगणक घर-घर पहुंचकर जानकारी एकत्रित कर रहे हैं। इसी क्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर जनगणना कार्य का निरीक्षण किया और प्रगणकों के साथ स्वयं घर-घर पहुंचकर सूचीकरण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जेन क्रमांक 4 एवं 5 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 40 पंचास क्षेत्र, वार्ड क्रमांक 41 गोपालपुर क्षेत्र तथा लोटी स्कूल के आसपास के क्षेत्रों में 8 से अधिक ब्लॉकों में सुपरवाइजर एवं प्रगणकों के साथ भ्रमण कर नागरिकों से जानकारी एकत्रित की गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने निर्देश दिए कि जनगणना का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कस कि कुछ ब्लॉकों में सुपरवाइजर एवं प्रगणकों द्वारा समय से पूर्व कार्य पूर्ण किया गया है, जो सरहदनीय है। गर्मी के मौसम को देखते हुए सुबह और शाम की शिफ्ट में सर्वे कार्य करने तथा बंद मकानों में पुनः जाकर जानकारी एकत्रित करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे डिजिटल जनगणना में पूर्ण सहयोग करें और सही एवं सटीक जानकारी उपलब्ध कराएं। यदि किसी नागरिक ने स्वगणना की है



स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक , मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं –21 , सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया भोपाल से मुद्रित कर,

ए-182 , शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित मो- 9425237314 , Email- navpradeshbhopal@gmail.com (न्याय क्षेत्र भोपाल)

